ठाकुर प्रसाद कैलेंडर हिंदी PDF 2024

रूपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन 2024

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक (100 प्रति से अधिक) कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544, उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

कचौड़ीगली, वाराणसी, फोन नं. : 0542-2392543, 2392471

दूध का हिसाब

ता.	दूध	दाम	ता.	दूध	दाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			योग		
15					
16					

धुलाई का हिसाब

दिनांक	विवरण	कपड़ा	संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29		

भद्रा-विचार

ता.1 दिन 9:51 से रात 10:32 तक।
ता.4 रात 12:22 से ता.5 दिन 12:15 तक।
ता.8 दिन 9:1 से रात 8:6 तक।
ता.13 दिन 8:57 से रात 7:48 तक।
ता.16 दिन 2:5 से रात 1:27 तक।
ता.19 रात 11:37 से ता.20 दि.11:40 तक।
ता.23 दिन 3:2 से रात 3:59 तक।
ता.27 दिन 10:11 से रात 11:11 तक।

तेजी-मंदी

गेहूं, जौ, चना मूंग, मोठ, मक्का, तिलहन, अलसी मटर, सोना-चाँदी में घटाबढ़ी रहेगी। शेयर बाजार में मंदी, लोहे के सामान, वाहन महंगे होंगे।

विक्रम संवत् 2080

माघ कृष्ण 6 से फाल्गुन कृष्ण 5 तक। ता. 25 से फाल्गुन मास प्रारम्भ।

श्रीशालिवाहन शाके 1945

राष्ट्रीय माघ 12 से फाल्गुन 10 तक। ता. 20 से फाल्गुन मास प्रारम्भ।

फसली सन् 1431

प्र. माह 7 से प्र. फग्गन 5 तक। ता. 25 से प्र. फग्गन मास प्रारम्भ।

फरवरी 2

इस्लामी हिजरी सन् 1445

रजब 20 से साबान 18 तक। ता. 12 से साबान माह शुरू।

बंगला संवत् 1430

माघ 17 से फाल्गुन 16 तक। ता. 14 से फाल्गुन मास प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1144

माघ 18 गते से फाल्गुन 17 गते तक। ता. 13 से फाल्गुन मास प्रारम्भ।

मूल विचार

ता.4 को ज्येष्ठा रात 3:18 से ता.6 को मूल रात 3:6 तक।
ता.13 को रेवती सायं 5:28 से ता.15 को अश्विनी दिन 2:43 तक।
ता.22 को श्लेषा सायं 4:56 से ता.24 को मघा रात 9:31 तक।

पंचक विचार

ता.10 को दि. 11:10 से ता.14 को सायं 4:0 तक।

सूर्य नक्षत्र

ता.6 को धनिष्ठा रा.शे. 6:22 से।
ता.13 को कुम्भ राशि रात 7:58 से।
ता.20 को शतभिषा दिन 9:59 से।

रवि SUN		4	11	18	25
सोम MON		5	12	19	26
मंगल TUE		6 एकादशी व्रत	13 कुम्भ संक्रान्ति	20 एकादशी व्रत	27
बुध WED		7 प्रदोष व्रत	14	21 प्रदोष व्रत	28
गुरु THU	1	8	15	22	29
शुक्र FRI	2	9 मौनी अमावस्या	16	23	
शनि SAT	3	10	17	24 रविदास जयन्ती	

विवाह मुहूर्त

ता. 1, 2, 3, 4, 5, 6, 12, 13, 14, 17, 18, 19, 24, 25, 26, 27, 29।

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
सूर्योदय	6:34	33	33	32	31	31	30	30	29	28	28	27	26	26	26
सूर्यास्त	5:26	27	27	28	29	29	30	30	31	32	32	33	34	34	34

तारीख	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
सूर्योदय	25	24	24	23	22	21	20	19	19	18	17	17	16	15
सूर्यास्त	35	36	36	37	38	39	40	41	41	42	43	43	44	45

व्रत-त्यौहार

2 शुक्र- स्वा.विवेकानन्द जयंती-प्राचीन मत।
6 मंगल- षट्तिला एकादशी व्रत, धनिष्ठा के सूर्य रा.शे. 6:22।
7 बुध- तिल द्वादशी, प्रदोष व्रत।
8 गुरु- मास शिवरात्रि व्रत, मु. पर्व शबे मिराज।
9 शुक्र- स्नान-दान-श्राद्ध की अमावस्या, मौनी अमावस्या।
10 शनि- श्रीवल्लभाचार्य जयन्ती।
11 रवि- चन्द्रदर्शन।
13 मंगल- वैना.गणेश चतुर्थी व्रत, तिल चौथ, कुम्भ संक्रा.रा. 7:58।
14 बुध- वसंत पंचमी, सरस्वती पूजा, वागीश्वरी देवी प्राकट्योत्सव।
16 शुक्र- अचलासप्तमी व्रत, सूर्य पूजा।
18 रवि- महानन्दा नवमी, हरसू ब्रह्मदेव जयन्ती चैनपुर-बिहार।
20 मंगल- जया एकादशी व्रत, शतभिषा के सूर्य दिन 9:59।
21 बुध- प्रदोष व्रत, आमलकी द्वादशी।
23 शुक्र- व्रत की पूर्णिमा।
24 शनि- स्नान-दान की माघी पूर्णिमा, संत रविदास जयन्ती।
26 सोम- मु.पर्व शबेबरात।
28 बुध- संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात 9:14।

विस्तृत पर्व-त्यौहार जयन्ती सिलाबार के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

मेष- भूमि क्रय-विक्रय से लाभ होगा, विचारित कार्यों में सफलता मिलेगी।
वृष- स्वास्थ्य संबंधी कष्ट, पारिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न होंगे।
मिथुन- अनावश्यक वाद-विवाद की सम्भावना, लंबी यात्रा हो सकती है।
कर्क- अनावश्यक वाद-विवाद होगा, मानसिक कष्ट, दूरस्थ यात्रा हो सकती है।
सिंह- घरेलू समस्याओं का समाधान होगा, पारिवारिक सुख मिलेगा।
कन्या- आर्थिक सहयोग की प्राप्ति, स्त्री के स्वास्थ्य सम्बन्धी चिंता होगी।
तुला- भूमि-भवन-वाहन के क्रय-विक्रय में लाभ, समाज में यश प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
वृश्चिक- आर्थिक मामलों में वृद्धि होगी, मान-हानि व अपयश संभव है।
धनु- विरोधियों का षड्यंत्र विफल होगा, भाग्योदय में बाधा आयेगी।
मकर- उदर-हृदय संबंधी रोग होगा, रोजगार में परिवर्तन की संभावना है।
कुम्भ- शनि की साढ़ेसाती का पूर्ण प्रभाव रहेगा, संघर्ष की स्थिति।
मीन- कार्यों में अरुचि, मानसिक कष्ट, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ता रहेगी।

आकाशी-लक्षण

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान में सामान्य ओस की धुन्ध का वातावरण रहेगा। हिमपात, ओला, ठिठुरन तेज होगी।

जनवरी-2024

रवि		7	14	21	28
सोम	1	8		22	29
मंगल	2	9	16		30
बुध	3	10	17	24	31
गुरु	4	11	18	25	
शुक्र	5	12	19		
शनि	6	13	20	27	

गुरु पुष्य योग- चल सम्पत्ति (सोना-चाँदी, वाहन) अचल सम्पत्ति (भूमि, भवन) आदि खरीदना एवं अन्य सभी शुभ कार्यों में अत्यन्त शुभदायक होता है।
ता.22 को प्रातः 6:20 से सायं 4:56 तक।

विज्ञापन 2024

← विज्ञापन हेतु स्थान-10½" × 2"

पंचांग पर नाम पता छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें पंचांग साइज 11"×17" चार रंग में छपा हुआ। मो. नं. 07233013544 0542-2392543, 2392471

मार्च-2024

रवि	31	3	10	17	
सोम		4	11	18	
मंगल		5	12	19	
बुध		6	13	20	27
गुरु		7	14	21	28
शुक्र	1		15	22	29
शनि	2	9	16	23	30

Printed By : Rupesh Thakur Prasad Prakashan, Kachourigali, Varanasi, Ph. - 0542- 2392543, 2392471

E-Mail : rupeshpanchang@gmail.com

ठाकुर प्रसाद

रूपेश पंचाङ्ग

मार्च 3 2024 MARCH

दूध का हिसाब

ता.	दूध	ता.	दूध
1		17	
2		18	
3		19	
4		20	
5		21	
6		22	
7		23	
8		24	
9		25	
10		26	
11		27	
12		28	
13		29	
14		30	
15		31	
16		योग	

धुलाई का हिसाब

दिनांक	कितना	कपड़ा	संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक			
	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	31

भद्रा-विचार

ता.1 रात 3:0 से
ता.2 दिन 3:9 तक।
ता.5 दिन 1:45 से रात 1:11 तक।
ता.8 रात 7:38 से
ता.9 प्रातः 6:28 तक।
ता.13 रात 7:6 से
ता.14 प्रातः 6:7 तक।
ता.16 रात 2:20 से
ता.17 दिन 2:8 तक।
ता.20 दिन 3:18 से रात 3:52 तक।
ता.24 दिन 9:24 से रात 10:27 तक।
ता.27 रात 3:43 से
ता.28 सा.4:19 तक।
ता.31 सायं 5:4 से रा.शे.4:42 तक।

तेजी-मंदी

घी, दवा, सरसों, एरण्ड, मूंगफली, सोयाबीन तेलों में तेजी आयेगी, गुड़, शक्कर रस-पदार्थ में मंदी होगी।

विक्रम संवत् 2080

फाल्गुन कृष्ण 6 से चैत्र कृष्ण 6 तक। ता. 26 से चैत्र मास प्रारम्भ।

श्रीशालिवाहन शाके 1945-46

राष्ट्रीय फाल्गुन 11 से चैत्र 11 तक। ता. 21 से राष्ट्रीय नववर्ष चैत्र शक 1946 प्रारम्भ।

फसली सन् 1431

प्र. फागुन 6 से प्र. चैतर 6 तक। ता. 26 से प्र. चैतर मास प्रारम्भ।

इस्लामी हिजरी सन् 1445

शाबान 19 से रमजान 20 तक। ता. 12 से रमजान-रोजा माह शुरू।

बंगला संवत् 1430

फाल्गुन 17 से चैत्र 17 तक। ता. 15 से चैत्र मास प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1144

फाल्गुन 18 गते से चैत्र 18 गते तक। ता. 14 से चैत्र मास प्रारम्भ।

रवि SUN	31	3	10 अमावस्या	17	24 होलिका दहन
सो MON		4	11 चन्द्रदर्शन	18	25 होली काशी में
मं TUE		5	12	19	26 होली सर्वत्र
बु WED		6 एकादशी व्रत	13	20 एकादशी व्रत	27
गु THU		7	14 मीन संक्रान्ति	21	28 गणेश चतुर्थी व्रत
शु FRI	1	8 महाशिवरात्रि व्रत	15	22 प्रदोष व्रत	29
श SAT	2	9	16	23	30

मूल विचार

ता.3 को ज्येष्ठा दिन 10:56 से ता.5 को मूल दिन 10:55 तक।
ता.11 को रेवती रात 1:34 से ता.13 को अश्विनी रात 10:44 तक।
ता.20 को श्लेषा रात 12:16 से ता.22 को मघा रा.शे.4:44 तक।
ता.30 को ज्येष्ठा सायं 6:36 से मूल पर्यन्त तक।

सूर्य नक्षत्र

ता.4 को पू.भा. दिन 3:32 से।
ता.14 को मीन राशि दिन 3:12 से।
ता.17 को उ.भा. रात 11:23 से।
ता.31 को रेवती दिन 9:54 से।

पंचक विचार

ता.8 को रात 7:15 से ता.12 को रा.12:2 तक।

विवाह मुहूर्त

ता.1,2,3,4,5,6,7,11,12।
आगे खरमास दोष है।

तारीख :	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय :	6:14	14	13	12	11	11	10	9	8	8	7	6	6	5	4	3	2	2	1	6:0	5:59	59	58	57	57	56	55	54	54	53	52
सूर्यास्त :	5:46	46	47	48	49	49	50	51	52	52	53	54	54	55	56	57	58	58	59	6:0	6:1	1	2	3	3	4	5	6	7	7	8

व्रत-त्यौहार

3.रवि-सीताष्टमी व्रत,जानकी प्राकट्यो।
4.सोम-पूर्वा भाद्र. के सूर्य दि.3:32।
5.मंगल-स्वा.दयानन्द सरस्वती जयंती।
6.बुध-विजया एकादशी व्रत-सबका।
8.शुक्र-प्रदोष व्रत, महाशिवरात्रि व्रत, वैद्यनाथ प्राकट्यो, महिला दिवस।
10.रवि-स्नान-श्राद्ध की अमावस्या।
11.सोम-चन्द्रदर्शन।
13.बुध-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत।
14.गुरु-मीन संक्रान्ति दिन 3:12, खरमास आरम्भ।
16.शनि-कामदा सप्तमी व्रत।
17.रवि-होलाष्टक आरम्भ, उ.भा. के सूर्य रात 11:23।
20.बुध-आमलकी-रंगभरी एकादशी व्रत,श्रीकाशीविश्वनाथ शृंगार दिवस।
22.शुक्र-प्रदोष व्रत।
24.रवि-व्रत की पूर्णिमा,होलिका दहन रात 10:27 से।
25.सोम-स्नान-दान की पूर्णिमा, होली काशी में, चैतन्य महाप्रभु जयंती, चौसट्ठीदेवी दर्शन-पूजन।
26.मंगल-होली काशी से अन्यत्र, वसन्तोत्सव।
28.गुरु-संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात 9:01।
29.शुक्र-गुड फ्राइडे।
31.रवि-रेवती के सूर्य दिन 9:54।

विस्तृत पर्व-त्यौहार अगली जिल्दों के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

मेष- दुष्ट संगति से अनुचित कार्य सम्भव है, विद्या-बुद्धि में निखार आयेगा।
वृष- मान-सम्मान में कमी का अनुभव होगा, नवीन सम्पत्ति का लाभ होगा।
मिथुन- स्वास्थ्य सम्बन्धी कष्ट होगा, संतान पक्ष से सुख मिलेगा।
कर्क- स्वास्थ्य सम्बन्धी कष्ट होगा, शनि साहस का संचार करता रहेगा।
सिंह- भौतिक सुख सुविधाओं की प्राप्ति, सगे-संबंधी से मनमुटाव रहेगा।
कन्या- स्त्री-पुत्रादि से पृथकता, शत्रुओं से समझौता सम्भव है।
तुला- विद्यार्थियों हेतु मास उत्तम है, व्यापार में लाभ, विरोधियों का प्रभाव बढ़ेगा।
वृश्चिक- अधिक परिश्रम, अल्प आय, खर्च अधिक, किसी से धोखा मिलेगा।
धनु- स्वास्थ्य में सुधार, रोगों का नाश होगा, परिवार में मांगलिक कार्य होंगे।
मकर- विरोधियों का षड्यंत्र विफल होगा, मानसिक कष्ट, वाद-विवाद संभव है।
कुम्भ- रक्त सम्बन्धी रोग संभव है। मानसिक तनाव बढ़ेगा।
मीन- मानसिक तनाव, घरेलू समस्याओं को लेकर चिंता बढ़ेगी।

आकाशी-लक्षण

काश्मीर, हिमांचल प्रदेश, भूटान के क्षेत्रों में हिमपात व वर्षा होगी, तूफानी हवाओं से रोग होगा। मासान्त में आकाशीय स्थिति प्रायः धूमिल रहेगी।

फरवरी-2024

रवि		4	11	18	25
सोम		5	12	19	26
मंगल		6	13	20	27
बुध		7		21	28
गुरु	1	8	15	22	29
शुक्र	2	9	16	23	
शनि	3	10	17		

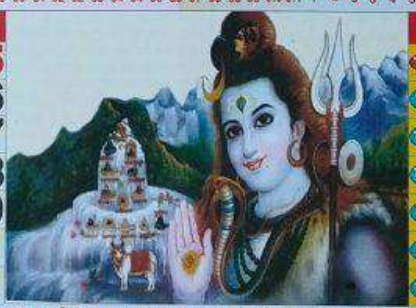

अप्रैल-2024

रवि		7			28
सोम	1	8	15	22	29
मंगल	2		16	23	30
बुध	3	10		24	
गुरु	4		18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13	20	27	

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक (100 प्रति से अधिक) कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544, उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

रूपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन

ठाकुर प्रसाद

रूपेश पंचाङ्ग

हिन्दू नववर्षारम्भ

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत् 2081
मंगलवार, 9 अप्रैल 2024 ई.

अप्रैल 4 2024 APRIL

दूध का हिसाब

ता.	दूध	दाम	ता.	दूध	दाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			जोड़		
16					

विक्रम संवत् 2080-81

चैत्र कृष्ण 7 से वैशाख कृष्ण 7 तक। ता.9 से संवत् 2081 प्रारंभ, ता. 24 से वैशाख मास प्रारम्भ।

श्रीशालिवाहन शाके 1946

राष्ट्रीय चैत्र 12 से वैशाख 10 तक। ता. 21 से वैशाख मास प्रारम्भ।

फसली सन् 1431

प्र. चैत्र 7 से प्र. विसाख 7 तक। ता. 24 से प्र. विसाख मास प्रारम्भ।

इस्लामी हिजरी सन् 1445

रमजान 21 से सव्वाल 20 तक। ता. 11 से सव्वाल माह शुरू।

बंगला संवत् 1430-31

चैत्र 18 से वैशाख 17 तक। ता. 14 से वैशाख सं. 1431 प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1144

चैत्र 19 गते से वैशाख 18 गते तक। ता. 13 से वैशाख मास प्रारम्भ।

विवाह मुहूर्त

ता.18,19,20,21,22,23,24,25,26। आगे शुक्रास्त दोष है।

रवि SUN		7	14 अम्बेडकर जयन्ती	21 महावीर जयन्ती	28
सो MON	1	8 सोमवती अमावस्या	15	22	29
मं TUE	2	9	16	23 पूर्णिमा	30
बु WED	3	10 चन्द्रदर्शन	17 श्रीरामनवमी व्रत	24	
गु THU	4	11 ईद	18	25	
शु FRI	5 एकादशी व्रत	12	19 एकादशी व्रत	26	
श SAT	6 प्रदोष व्रत	13 मेष संक्रान्ति	20	27 गणेश चतुर्थी व्रत	

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सूर्योदय	5:51	51	50	49	48	48	47	46	45	45	44	44	43	43	42	41	41	40	39	39	38	37	37	36	35	34	33	33	32	31
सूर्यास्त	6:9	9	10	11	12	12	13	14	15	15	16	16	17	17	18	19	19	20	21	21	22	23	23	24	25	26	27	27	28	29

धुलाई का हिसाब

दिनांक	विवरण	कपड़ा	संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	

भद्रा-विचार

ता.3 रात 12:34 से ता.4 दिन 11:36 तक। ता.6 रा.शे. 4:42 से ता.7 दिन 3:29 तक। ता.11 रा.शे. 5:27 से ता.12 सायं 4:49 तक। ता.15 दिन 3:38 से रात 3:40 तक। ता.19 प्रातः 7:50 से रात 8:46 तक। ता.22 रात 2:48 से ता.23 दिन 3:37 तक। ता.26 सायं 6:27 से ता.27 प्रातः 6:32 तक। ता.29 रा.शे. 4:11 से ता.30 दिन 3:21 तक।

तेजी-मंदी

सोना-चाँदी, ताँबा, मशीन, लोहे के सामान में तेजी आयेगी। रासायनिक पदार्थ, औषधि एवं शेयर बाजार में उछाल आयेगा।

मूल विचार

ता.1 को मूल सायं 6:47 तक। ता.8 को रेवती दिन 9:42 से ता.10 को अश्विनी प्रातः 6:46 तक। ता.17 को श्लेषा प्रातः 7:42 से ता.19 को मघा दिन 12:0 तक। ता.26 को ज्येष्ठा रात 2:17 से ता.28 को मूल रात 2:41 तक।

पंचक विचार

ता.4 को रात 3:22 से ता.9 को दिन 8:8 तक।

सूर्य नक्षत्र

ता.13 को अश्विनी मेष राशि रात 11:17 से। ता.27 को भरणी दिन 3:31 से।

व्रत-त्यौहार

1 सोम-शीतला सप्तमी व्रत।
2 मंगल-शीतलाष्टमी- बसिऔड़ा, बुढ़वा मंगल पर्व।
5 शुक्र-पापमोचिनी एकादशी व्रत-सबका, मु.आखिरी जुमा।
6 शनि-शनि प्रदोष व्रत, वारुणी पर्व।
7 रवि-मास शिवरात्रि व्रत।
8 सोम-स्नान-दान-श्राद्ध की सोमवती अमावस्या।
9 मंगल-वासंतीय नवरात्र प्रारम्भ, कलश-स्थापन, हिन्दू नववर्ष आरम्भ वि.सं.2081।
10 बुध-चैती चांद, चन्द्रदर्शन, श्रीझूलेलाल जयन्ती।
11 गुरु-सरहुल-बिहार, मु. पर्व ईद।
12 शुक्र-वैना. गणेश चतुर्थी व्रत।
13 शनि-अश्विनी मेष संक्रान्ति रात 11:17, पुण्यकाल अगले दिन, वैशाखी पर्व।
14 रवि-सूर्यषष्ठी व्रत-बिहार, मेष-सतुआ संक्रान्ति पुण्यकाल, अम्बेडकर जयन्ती।
15 सोम-महानिशा पूजा, अन्नपूर्णा परिक्रमा दिन 3:38 से।
16 मंगल-महाष्टमी व्रत, अन्नपूर्णा परिक्रमा सायं 4:17 तक।
17 बुध-महानवमी व्रत, श्रीराम-नवमी व्रत, अयोध्या परिक्रमा।
18 गुरु-नवरात्र व्रत पारणा।
19 शुक्र-कामदा एकादशी व्रत।
21 रवि-प्रदोष व्रत, महावीर जयन्ती-जैन।
23 मंगल-स्नान-दान-व्रत की चैत्र पूर्णिमा, हनुमान प्राकट्योत्सव।
27 शनि-संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात 9:49, भरणी के सूर्य दिन 3:31।
29 सोम-शुक्रास्त पूर्व में रात 11:13 से।

विस्तृत पर्व-त्यौहार जानने के लिए पंचांग के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

मेष- पूर्व निर्धारित कार्य पूर्ण होंगे, कारोबार मुनाफ़ा सम से चलेगा।
वृष- खर्च की अधिकता, स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी होगी, अध्ययन में रुचि बढ़ेगी।
मिथुन- भाई-बहन-मित्रों से सहयोग, वैवाहिक जीवन में मतभेद होगा।
कर्क- शनि सर्वथा अनुकूल है, परन्तु मानसिक अशान्ति बनी रहेगी।
सिंह- मास मध्यम फल कारक है, मानसिक उलझन प्रभावी रहेगी।
कन्या- कोई स्थिर लाभ होगा, स्त्री-परिवार से उत्तम सुख प्राप्त होगा।
तुला- प्रेम सम्बन्धों में परस्पर आकर्षण बढ़ेगा, धर्मस्थल की यात्रा सम्भव है।
वृश्चिक- घर-परिवार से दूर रहने की सम्भावना, संतान से विरोध पैदा हो सकता है।
धनु- कुछ न कुछ शारीरिक परेशानी बनी रहेगी, वाद-विवाद सम्भव है।
मकर- भाग्योदय में बाधा आयेगी, संतान सुख, निरर्थक भाग दौड़ होगी।
कुम्भ- दूरस्थ यात्रा कष्टदायक होगी, आकस्मिक घटना घट सकती है।
मीन- प्रतिष्ठा तथा धन में वृद्धि होगी, चर्म रोग, वाहन दुर्घटना भय है।

आकाशी-लक्षण

पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं सामान्य वर्षा होगी। बिहार, उत्तर प्रदेश में बादल व बूंदाबांदी हो सकती है। हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, बंगाल, तमिलनाडु में वर्षा होगी।

मार्च-2024

रवि	31	3	10	17	24
सोम		4	11	18	25
मंगल		5	12	19	26
बुध		6	13	20	27
गुरु		7	14	21	28
शुक्र	1	8	15	22	29
शनि	2	9	16	23	30

मई-2024

रवि		5	12	19	26
सोम		6	13	20	27
मंगल		7	14	21	28
बुध	1	8	15	22	29
गुरु	2	9	16	23	30
शुक्र	3	10	17	24	31
शनि	4	11	18	25	

High Blood Pressure — हाई बी.पी. के लिए घरेलू उपचार

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक व्यक्ति (100 प्रति से अधिक) प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544

पूजा-पाठ, ज्योतिष, तंत्र-मंत्र, वेद-पुराण के प्रकाशक एवं विक्रेता

रूपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन

कचौड़ीगली, वाराणसी-1 फोन : 2392543, 2392471

E-Mail : rupeshpanchang@gmail.com

रूपेश पंचाङ्ग

ठाकुर प्रसाद

मई 5
2024
MAY

दूध का हिसाब

ता.	दूध	ता.	दूध
1		17	
2		18	
3		19	
4		20	
5		21	
6		22	
7		23	
8		24	
9		25	
10		26	
11		27	
12		28	
13		29	
14		30	
15		31	
16		योग	

सिलाई का हिसाब

दिनांक	विवरण	कपड़ा	संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक			
	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	31

भद्रा-विचार

ता.3 दिन 9:14 से रात 8:5 तक।
ता.6 दिन 12:48 से रात 11:42 तक।
ता.11 सायं 4:25 से रा.शे. 4:12 तक।
ता.15 प्रातः 5:55 से सायं 6:41 तक।
ता.18 रात 12:17 से ता.19 दिन 1:19 तक।
ता.22 सायं 5:58 से ता.23 प्रा.6:19 तक।
ता.26 प्रातः 6:9 से सायं 5:45 तक।
ता.29 दिन 12:55 से रात 11:49 तक।

तेजी-मंदी

सभी प्रकार के धान्य महंगे होंगे। चना, सरसों, मूंगफली तथा चाँदी वस्तुओं में तेजी आयेगी। शेयर के बाजार में अस्थिरता रहेगी।

विक्रम संवत् 2081

वैशाख कृष्ण 8 से ज्येष्ठ कृष्ण 8 तक।
ता. 24 से ज्येष्ठ मास प्रारम्भ।

श्रीशालिवाहन शाके 1946

राष्ट्रीय वैशाख 11 से ज्येष्ठ 10 तक।
ता. 22 से ज्येष्ठ मास प्रारम्भ।

फसली सन् 1431

प्र. विसाख 8 से प्र. जेठ 8 तक।
ता. 24 से प्र. जेठ मास प्रारम्भ।

इस्लामी हिजरी सन् 1445

सव्वाल 21 से जिल्काद 22 तक।
ता. 10 से जिल्काद माह शुरू।

बंगला संवत् 1431

वैशाख 18 से ज्येष्ठ 17 तक।
ता. 15 से ज्येष्ठ मास प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1144

वैशाख 19 गते से ज्येष्ठ 18 गते तक।
ता. 14 से ज्येष्ठ मास प्रारम्भ।

मूल विचार

ता.5 को रेवती सायं 5:53 से ता.7 को अश्विनी दिन 2:53 तक।
ता.14 को श्लेषा दिन 3:10 से ता.16 को मघा रात 7:19 तक।
ता.24 को ज्येष्ठा दिन 9:59 से ता.26 को मूल दिन 10:37 तक।

पंचक विचार

ता.2 को दिन 11:30 से ता.6 को सायं 4:18 तक।
ता.29 को रा.शे.4:42 से मासान्त तक।

रवि SUN		5 प्रदोष व्रत	12	19 एकादशी व्रत	26 गणेश चतुर्थी व्रत
सो MON		6	13	20 प्रदोष व्रत	27
मं TUE		7 श्राद्ध की अमावस्या	14 वृष संक्रान्ति	21	28
बु WED	1	8 स्नान-दान की अमावस्या	15	22	29
गु THU	2	9 चन्द्रदर्शन	16	23 बुद्ध जयंती	30
शु FRI	3	10	17	24	31
श SAT	4 एकादशी व्रत	11	18	25	

सूर्य नक्षत्र

ता.11 को कृत्तिका दिन 10:31 से।
ता.14 को वृष राशि रात 9:41 से।
ता.25 को रोहिणी प्रातः 7:54 से।

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	5:31	30	30	29	28	28	27	27	26	25	25	24	24	23	23	22	22	21	21	20	20	20	19	19	19	18	18	17	17	16	16
सूर्यास्त	6:29	30	30	31	32	32	33	33	34	35	35	36	36	37	37	38	38	39	39	40	40	40	41	41	42	42	42	43	43	44	44

व्रत-त्यौहार

1 बुध-श्रीशीतलाष्टमी व्रत, श्रमिक दिवस।
4 शनि-वरूथिनी एकादशी व्रत सबका, वल्लभाचार्य जयंती।
5 रवि-प्रदोष व्रत।
6 सोम-मास शिवरात्रि व्रत, गुरु अस्त पश्चिम में रात 11:11
7 मंगल-श्राद्ध की अमावस्या।
8 बुध-स्नान-दान की अमावस्या।
9 गुरु-चन्द्रदर्शन।
10 शुक्र-अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती, छत्रपति शिवाजी जयंती।
11 शनि-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, कृत्तिका के सूर्य दिन 10:31।
13 सोम-श्रीरामानुजाचार्य जयंती।
14 मंगल-श्रीगंगा सप्तमी, वृष संक्रान्ति रात 9:39।
16 गुरु-सीता नवमी व्रत, श्रीजानकी जी प्राकट्योत्सव-वैष्णव मत।
19 रवि-मोहिनी एकादशी व्रत।
20 सोम-सोम प्रदोष व्रत।
21 मंगल-नृसिंह चतुर्दशी व्रत, नृसिंह प्राकट्योत्सव।
23 गुरु-स्नान-दान-व्रत की वैशाखी पूर्णिमा, बुद्ध जयंती।
25 शनि-रोहिणी के सूर्य प्रातः 7:54।
26 रवि-संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात 9:39।
31 शुक्र-श्रीशीतलाष्टमी व्रत।

विस्तृत पर्व-त्यौहार जानने के लिए कैलेण्डर के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

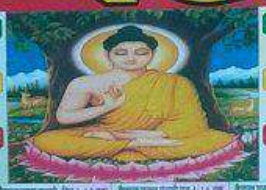

मेष- उच्च जनसंपर्क से लाभ होगा, सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।
वृष- परिवार में मांगलिक कार्य, नौकरी में उन्नति, स्वास्थ्य में सुधार होगा।
मिथुन- स्वास्थ्य सम्बन्धी कष्ट होगा, कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी।
कर्क- शत्रु आपसे पराजित होंगे, समझौता कर लेंगे, रोग व्याधि में कमी आयेगी।
सिंह- व्यवसाय में मंदी का रुख हो सकता है, अध्ययन में सफलता मिलेगी।
कन्या- मांगलिक कार्य के अवसर आयेंगे, बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
तुला- आय के नये साधन बनेंगे, सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।
वृश्चिक- माता का स्वास्थ्य बाधित, संतान पक्ष से मानसिक चिंता बढ़ेगी।
धनु- पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।
मकर- भाई-बहन का सहयोग, संतान पक्ष से चिंता, कार्य-योजना सफल होगी।
कुम्भ- बृहस्पति बहुविध उन्नति कारक है, कोई स्थिर लाभ हो सकता है।
मीन- योजनाबद्ध कार्य से लाभ, नौकरी में विभागीय बाधा आ सकती है।

आकाशी-लक्षण

लू व गर्मी का प्रकोप बहुत ज्यादा रहेगा। आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब के क्षेत्रों में ज्यादा गर्म रहेगा। उत्तराखंड में सामान्य वर्षा का योग है।

अप्रैल - 2024

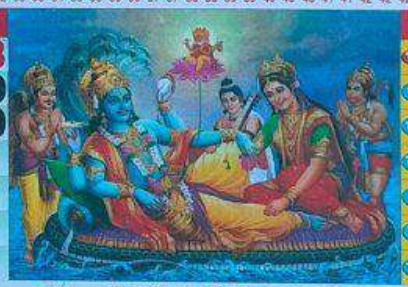

रवि		7			28
सोम	1	8	15	22	29
मंगल	2		16	23	30
बुध	3	10		24	
गुरु	4		18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13	20	27	

जून-2024

रवि	30	2	9	16	23
सोम		3	10		24
मंगल		4	11	18	25
बुध		5	12	19	26
गुरु			13	20	27
शुक्र		7	14	21	28
शनि	1	8	15	22	29

Brain अखरोट बादाम दही

दिमागी ताकत के लिए घरेलू उपचार

काला व सफेद तिल कोहड़ा का बीज अनार ब्राह्मी शंखपुष्पी

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक (100 प्रति से अधिक) कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544, उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

रूपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन

E-Mail : rupeshpanchang@gmail.com

ठाकुर प्रसाद

रूपेश पंचाङ्ग

जून 6 2024 JUNE

विक्रम संवत् 2081
ज्येष्ठ कृष्ण 9 से आषाढ़ कृष्ण 9 तक। ता. 23 से आषाढ़ मास प्रारम्भ।

श्रीशालिवाहन शाके 1946
राष्ट्रीय ज्येष्ठ 11 से आषाढ़ 9 तक। ता. 22 से आषाढ़ मास प्रारम्भ।

फसली सन् 1431
प्र. जेठ 9 से प्र. हाड़ 8 तक। ता. 23 से प्र. हाड़ मास प्रारम्भ।

इस्लामी हिजरी सन् 1445
जिल्काद 23 से जिलहिज 23 तक। ता. 8 से जिलहिज माह शुरू।

बंगला संवत् 1431
ज्येष्ठ 18 से आषाढ़ 15 तक। ता. 16 से आषाढ़ मास प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1144
ज्येष्ठ 19 गते से आषाढ़ 16 गते तक। ता. 15 से आषाढ़ मास प्रारम्भ।

रवि SUN	30	2 एकादशी व्रत	9	16 गंगा दशहरा	23
सो MON		3	10	17 बकरीद	24
मं TUE		4 प्रदोष व्रत	11	18 एकादशी व्रत-वैष्णव	25 गणेश चतुर्थी व्रत
बु WED		5	12	19 प्रदोष व्रत	26
गु THU		6 वटसावित्री व्रत	13	20	27
शु FRI		7 चन्द्रदर्शन	14	21 योग दिवस	28
श SAT	1	8	15 मिथुन संक्रान्ति	22 स्नान-दान पूर्णिमा	29

दूध का हिसाब

1	17
2	18
3	19
4	20
5	21
6	22
7	23
8	24
9	25
10	26
11	27
12	28
13	29
14	30
15	योग
16	

धुलाई का हिसाब

दिनांक	विवरण	कपड़ा	संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	

भद्रा-विचार

ता.1 सायं 4:38 से रात 3:34 तक।
ता.4 रात 8:41 से
ता.5 प्रातः 7:50 तक।
ता.9 रा.शे. 4:29 से
ता.10 सा. 4:46 तक।
ता.13 रात 9:1 से
ता.14 दिन 10:1 तक।
ता.17 दिन 3:42 तक।
रा.शे.4:30 तक।
ता.21 प्रातः 6:38 से सायं 6:29 तक।
ता.24 दिन 3:30 से रात 2:41 तक।
ता.27 रात 8:10 से
ता.28 प्रा. 6:56 तक।
ता.30 रात 11:39 से।

तेजी-मंदी

अनाज के भावों में उतार-चढ़ाव रहेगा। ईंधन, पेट्रोल, डीजल आदि में तेजी रहेगी। तिलहन एवं दलहन के भाव स्थिर रहेंगे।

मूल विचार

ता.1 को रेवती रात 2:9 से ता.3 को अश्विनी रात 11:5 तक।
ता.10 को श्लेषा रात 10:44 से ता.12 को मघा रात 2:43 तक।
ता.20 को ज्येष्ठा सायं 5:41 से ता.22 को मूल सायं 6:33 तक।
ता.29 को रेवती दिन 10:23 से अश्विनी मासान्त तक।

पंचक विचार

मासारम्भ से
ता.2 को रात 12:37 तक।
ता.25 को दिन 3:52 से
ता.30 को दिन 8:46 तक।

सूर्य नक्षत्र

ता.8 को मृगशिरा प्रातः 7:12 से।
ता.15 को मिथुन राशि प्रातः 7:20 से।
ता.22 को आर्द्रा दिन 8:0 से।

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
सूर्योदय	5:16	15	15	15	15	14	14	14	14	14	13	13	13	13	13
सूर्यास्त	6:44	45	45	45	45	46	46	46	46	46	47	47	47	47	47

तारीख	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सूर्योदय	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13
सूर्यास्त	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47

व्रत-त्यौहार

2 रवि-अचला एकादशी व्रत।
3 सोम-गुरु उदय पूरब में प्रा 7:01
4 मंगल-प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि व्रत, वटसावित्री व्रतारंभ-उ.भा.।
6 गुरु-स्नान-श्राद्ध की अमावस्या, वटसावित्री व्रत-उ.भा., शनि-देव प्राकट्योत्सव।
7 शुक्र-करवीर व्रत, चन्द्रदर्शन।
8 शनि-मृगशिरा के सूर्य प्रा: 7:12।
9 रवि-रम्भा तीज व्रत, महाराणा प्रताप जयन्ती।
10 सोम-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत।
12 बुध-श्रीस्कन्दषष्ठी व्रत।
15 शनि-मिथुन संक्रान्ति प्रातः 7:20, रज संक्रान्ति।
16 रवि-गंगा दशहरा, श्रीरामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस।
17 सोम-भीमसेनी-निर्जला एकादशी व्रत-स्मार्त, मु.पर्व बकरीद।
18 मंगल-निर्जला एकादशी व्रत-वै.।
19 बुध-प्रदोष व्रत, वट सावित्री व्रतारम्भ-द.भा.।
21 शुक्र-व्रत की पूर्णिमा, वट सावित्री व्रत-द.भा., योग दिवस।
22 शनि-स्नान-दान की पूर्णिमा, आर्द्रा के सूर्य दिन 8:0, कबीरदास जयन्ती।
25 मंगल-संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात 9:58।
28 शुक्र-शुक्र उदय प. में सा. 5:41
29 शनि-शीतलाष्टमी व्रत।

विस्तृत पर्व-त्यौहार अपनी सिलसिला के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

मेष- नवीन कार्य का मार्ग प्रशस्त होगा, धन एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
वृष- व्यवसाय में उन्नति होगी, विवाह-प्रेम सम्बन्ध में सफलता मिलेगी।
मिथुन- नौकरी में स्थानान्तरण की सम्भावना है, सन्तान पक्ष से कष्ट।
कर्क- घर-परिवार से दूर रहना पड़ सकता है, नवीन कार्य में विलम्ब होगा।
सिंह- नवीन सम्पत्ति के क्रय-विक्रय में लाभ होगा, स्त्री से सुख मिलेगा।
कन्या- व्यवसाय में वृद्धि होगी, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी।
तुला- विश्वासपात्र सहायक आपकी सहायता करेंगे, विरोधी पराजित होंगे।
वृश्चिक- घरेलू व्यय में वृद्धि, भाई-बहन में मनमुटाव रहेगा।
धनु- अथक परिश्रम से आय में वृद्धि होगी, शत्रु विरोधी शांत हो जायेंगे।
मकर- कार्यों में बाधा, दाम्पत्य जीवन में कटुता होगी, वाहन क्रय का योग है।
कुम्भ- सदाचार से भटक सकते हैं, पुत्रादि की अत्यधिक उन्नति होगी।
मीन- भाग्योदय में बाधा आयेगी, रोग-शोक-बन्धन की स्थिति सम्भव है।

आकाशी-लक्षण

बादल छाए रहकर भी वर्षा नहीं होगी। महाराष्ट्र, उड़ीसा के पूर्व क्षेत्र, बंगाल व असम में वर्षा होगी। हरियाणा, दिल्ली पंजाब, मध्य प्रदेश में वर्षा की कमी रहेगी।

मई-2024

रवि		5	12	19	26
सोम		6	13	20	27
मंगल		7	14	21	28
बुध	1	8	15	22	29
गुरु	2	9	16		30
शुक्र	3	10	17	24	31
शनि	4	11	18	25	

रवि पुष्य योग-चल सम्पत्ति (सोना-चाँदी, वाहन) अचल सम्पत्ति (भूमि, भवन) आदि खरीदना एवं अन्य सभी शुभ कार्यों में अत्यन्त शुभदायक होता है।
ता.9 को रात 9:24 से।

जुलाई-2024

रवि			14		28
सोम	1	8	15	22	29
मंगल	2	9	16	23	30
बुध	3	10		24	31
गुरु	4	11	18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13	20	27	

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक व्यक्ति (100 प्रति से अधिक) प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544

पूजा-पाठ, ज्योतिष, तंत्र-मंत्र, वेद-पुराण के प्रकाशक एवं विक्रेता
रूपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन

कचौड़ीगली, वाराणसी-1
फोन : 2392543, 2392471
E-Mail : rupeshpanchang@gmail.com

ठाकुर प्रसाद

रूपेश पंचाङ्ग

जुलाई 7 2024 JULY

विक्रम संवत् 2081
आषाढ़ कृष्ण 10 से श्रावण कृष्ण 11 तक। ता. 22 से श्रावण मास प्रारम्भ।

श्रीशालिवाहन शाके 1946
राष्ट्रीय आषाढ़ 10 से श्रावण 9 तक। ता. 23 से श्रावण मास प्रारम्भ।

फसली सन् 1431
प्र. ढाढ़ 9 से प्र. सावन 10 तक। ता. 22 से प्र. सावन मास प्रारम्भ।

इस्लामी हिजरी सन् 1445-46
जिलहिज 24 से मुहर्रम 24 तक। ता. 8 से नववर्ष मुहर्रम 1446 शुरू।

बंगला संवत् 1431
आषाढ़ 16 से श्रावण 15 तक। ता. 17 से श्रावण मास प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1144
आषाढ़ 17 गते से श्रावण 16 गते तक। ता. 16 से श्रावण मास प्रारम्भ।

दूध का हिसाब

ता.			ता.		
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

धुलाई का हिसाब

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	31

भद्रा-विचार
ता.1 दिन 10:30 तक।
ता.4 प्रातः 5:16 से सायं 4:46 तक।
ता.9 सायं 5:40 से
ता.10 प्रा. 6:39 तक।
ता.13 दिन 12:25 से रात 1:2 तक।
ता.17 प्रातः 5:31 से सायं 5:56 तक।
ता.20 सायं 5:9 से रा.शे.4:4 तक।
ता.23 रात 11:20 से
ता.24 दि.10:16 तक।
ता.26 रात 2:58 से
ता.27 दि.1:22 तक।
ता.30 प्रातः 7:19 से सायं 6:25 तक।

तेजी-मंदी
पीली वस्तु में तेजी, शेयर के भाव नीचे गिर सकते हैं। लोहा का सामान, चाय, कॉफी, अफीम, रेशमी वस्त्र में तेजी आयेगी।

सूर्य नक्षत्र
ता.6 को पुनर्वसु दिन 9:34 से।
ता.16 को कर्क राशि रात 10:43 से।
ता.20 को पुष्य दिन 11:1 से।

वार					
रवि SUN	7 रथयात्रा	14	21 गुरु पूर्णिमा	28	
सो MON	1 भद्रा	8	15	22	29
मं TUE	2 एकादशी व्रत	9 भद्रा	16 कर्क संक्रांति	23	30
बु WED	3 प्रदोष व्रत	10 भद्रा	17 ताजिया	24 गणेश चतुर्थी व्रत	31 एकादशी व्रत
गु THU	4 भद्रा	11	18 प्रदोष व्रत	25	
शु FRI	5 अमावस्या	12	19	26	
श SAT	6	13 भद्रा	20 भद्रा, व्रत की पूर्णिमा	27	

मूल विचार
ता.1 को अश्विनी प्रातः 7:17 तक।
ता.8 को श्लेषा प्रातः 6:17 से ता.10 को मघा दिन 10:4 तक।
ता.17 को ज्येष्ठा रात 1:22 से ता.19 को मूल रात 2:26 तक।
ता.26 को रेवती प्रातः 6:42 से ता.28 को अश्विनी दिन 3:30 तक।

पंचक विचार
ता.23 को दिन 12:4 से ता.27 को सायं 5:3 तक।

विवाह मुहूर्त
ता.9,10,11,12,13,14,15,16,17। आगे हरिशयन दोष है।

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	5:13	14	14	14	14	14	15	15	15	15	16	16	16	17	17	17	18	18	18	19	19	20	20	21	21	22	22	22	23	24	24
सूर्यास्त	6:47	46	46	46	46	46	45	45	45	45	44	44	44	43	43	43	42	42	42	41	41	40	40	39	39	38	38	38	37	36	36

व्रत-त्यौहार
2.मंगल-योगिनी एकादशी व्रत, देवरहा बाबा पुण्य तिथि।
3.बुध-प्रदोष व्रत।
4.गुरु-मास शिवरात्रि व्रत।
5.शुक्र-स्नान-श्राद्ध की अमावस्या।
6.शनि-गुप्त नवरात्रारम्भ, पुनर्वसु के सूर्य दिन 9:34।
7.रवि-रथयात्रा, श्रीराम-बलराम रथोत्सव, चन्द्रदर्शन।
9.मंगल-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत।
16.मंगल-कर्क संक्रान्ति रा.10:43।
17.बुध-हरिशयनी एकादशी व्रत, मु.पर्व ताजिया।
18.गुरु-प्रदोष व्रत, वामन द्वादशी, चातुर्मास आरम्भ।
20.शनि-व्रत की पूर्णिमा, पुष्य के सूर्य दिन 11:11।
21.रवि-स्नान-दान की आषाढ़ी पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा।
22.सोम-श्रावण सोमवार व्रत।
23.मंगल-मंगलागौरी व्रत, भौम व्रत, हनुमान दर्शन, दुर्गा यात्रा।
24.बुध-संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात 9:12।
26.शुक्र-नाग पंचमी-बंगाल।
28.रवि-शीतलाष्टमी व्रत।
29.सोम-श्रावण सोमवार व्रत।
30.मंगल-मंगलागौरी व्रत, भौम व्रत, दुर्गा यात्रा, हनुमान दर्शन।
31.बुध-कामदा एकादशी व्रत।

राशि-फल
मेष- विद्यार्थियों की अध्ययन में रुचि बढ़ेगी, मानसिक तनाव हो सकता है।
वृष- पारिवारिक सहयोग से व्यवसाय में उन्नति, न्यायालीय कार्य में प्रगति।
मिथुन- पुत्रादि के कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी, माता-पिता से लाभ होगा।
कर्क- स्त्री से सहयोग मिलेगा, सुख साधनों में व्यय होगा।
सिंह- विरोधी पक्ष का दबदबा कम होगा, तीर्थस्थल के यात्रा का योग है।
कन्या- मान-सम्मान बढ़ेगा, राजकीय कार्यों में व्यवधान पैदा होगा।
तुला- बहुविध लाभ के मार्ग खुलेंगे, कारोबार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।
वृश्चिक- शारीरिक सुख में कमी, स्वास्थ्य प्रभावित होगा, पुत्रादि से सुख।
धनु- भौतिक सुख सुविधा के नये स्रोत मिलेंगे, दुर्घटना की सम्भावना है।
मकर- अध्ययन क्षेत्र में अथक परिश्रम करना होगा, व्यापार में अस्थिरता।
कुम्भ- शनि का प्रभाव रहेगा, उदर रोग से पीड़ा, शनि शांति का उपाय करें।
मीन- वाणिज्य-व्यवसाय में प्रगति होगी, किसी नये पद की प्राप्ति हो सकती है।

आकाशी-लक्षण
दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश में वर्षा सामान्य होगी। आसाम, बंगाल, बिहार, कर्नाटक में अतिवृष्टि से लोग परेशान होंगे।

जून-2024

रवि	30	2	9	16	23
सोम		3	10		24
मंगल		4	11	18	25
बुध		5	12	19	26
गुरु			13	20	27
शुक्र		7	14	21	28
शनि	1	8	15	22	29

रवि पुष्य योग-चल सम्पत्ति (सोना-चाँदी, वाहन) अचल सम्पत्ति (भूमि, भवन) आदि खरीदना एवं अन्य सभी शुभ कार्यों में अत्यन्त शुभदायक होता है।
ता.7 को समस्त (दिन-रात)।

वृक्षारोपण –

आम की गुठली को धोकर रख लें, जुलाई, अगस्त के महीने में सड़क के किनारे, पार्क या खाली जमीन में लगा दें। एक पेड़ लगाने से असंख्य जीव-जन्तुओं के जीवन का उद्धार होता है और उसका अपार पुण्य सहजता से प्राप्त होता है। वृक्षारोपण करना यज्ञ करने के समान फल देता है। प्राचीन पुस्तकों में भी विवेचन किया गया है कि आम, नीम, आँवला आदि का वृक्ष लगाने से सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। अतः अपने नजदीकी स्कूल, ग्राम पंचायत एवं धार्मिक संस्थाओं, Kiti, Club व मित्रों के साथ पेड़ लगायें।

वायराइड के लिए घरेलू उपचार

अगस्त-2024

रवि		4	11	18	25
सोम		5	12		
मंगल		6	13	20	27
बुध		7	14	21	28
गुरु	1	8		22	29
शुक्र	2		16	23	30
शनि	3	10	17	24	31

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक (100 प्रति से अधिक) कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544, उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जावेगा।

रूपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन

ठाकुर प्रसाद

रूपेश पंचाङ्ग

अगस्त 8

2024

AUGUST

दूध का हिसाब

1		17	
2		18	
3		19	
4		20	
5		21	
6		22	
7		23	
8		24	
9		25	
10		26	
11		27	
12		28	
13		29	
14		30	
15		31	
16		योग	

धुलाई का हिसाब

दिनांक | विवरण | कपड़ा | संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	31

भद्रा-विचार

ता.2 दिन 3:25 से रात 3:23 तक।
ता.8 दिन 8:57 से रात 9:56 तक।
ता.11 रात 3:35 से
ता.12 सा.4:13 तक।
ता.15 सायं 5:53 से
ता.16 प्रा. 5:45 तक।
ता.18 रात 2:21 से
ता.19 दिन 1:25 तक।
ता.22 प्रातः 6:47 से सायं 5:33 तक।
ता.25 दिन 10:24 से रात 9:22 तक।
ता.28 सायं 4:36 से रा.शे.4:5 तक।
ता.31 रात 3:57 से।

तेजी-मंदी

शेयर के भावों में आगे पीछे होकर जोरदार तेजी आयेगी। लोहे के सामान, स्टील, केमिकल्स सामान, रंगरोगन, औषधियों में घटाबढ़ी चलेगी।

विक्रम संवत् 2081

श्रावण कृष्ण 12 से भाद्रपद कृष्ण 13 तक। ता. 20 से भाद्रपद मास प्रारम्भ।

श्रीशालिवाहन शाके 1946

राष्ट्रीय श्रावण 10 से भाद्रपद 9 तक। ता. 23 से भाद्रपद मास प्रारम्भ।

फसली सन् 1431

प्र. सावन 11 से प्र. भादों 11 तक। ता. 20 से प्र. भादों मास प्रारम्भ।

इस्लामी हिजरी सन् 1446

मुहर्रम 25 से सफर 26 तक। ता. 6 से सफर माह शुरू।

बंगला संवत् 1431

श्रावण 16 से भाद्रपद 14 तक। ता. 18 से भाद्रपद मास प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1144

श्रावण 17 गते से भाद्रपद 15 गते तक। ता. 17 से भाद्रपद मास प्रारम्भ।

मूल विचार

ता.4 को श्लेषा दिन 1:50 से ता.6 को मघा सायं 5:26 तक।
ता.14 को ज्येष्ठा दिन 9:0 से ता.16 को मूल दिन 10:17 तक।
ता.22 को रेवती रात 2:56 से ता.24 का अश्विनी रात 11:43 तक।
ता.31 को श्लेषा रात 9:20 से।

पंचक विचार

ता.19 को रात 8:13 से ता.23 को रात 1:17 तक।

सूर्य नक्षत्र

ता.3 को श्लेषा दिन 11:33 से।
ता.17 को मघा व सिंह राशि दिन 10:9 से।
ता.31 को पू.फा. प्रातः 6:51 से।

रवि SUN	4 अमावस्या	11	18	25	
सो MON	5 चन्द्रदर्शन	12	19	26 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	
मं TUE	6	13	20	27 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	
बु WED	7	14	21	28	
गु THU	1 प्रदोष व्रत	8	15 स्वतंत्रता दिवस	22	29
शु FRI	2	9 नाग पंचमी	16 एकादशी व्रत	23	30 एकादशी व्रत
श SAT	3	10	17 सिंह संक्रान्ति	24	31 प्रदोष व्रत

तारीख : 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31
सूर्योदय : 5:25 25 26 26 27 27 28 28 29 30 30 31 31 32 33 33 34 35 35 36 37 37 38 39 39 40 41 41 42 43 43
सूर्यास्त : 6:35 35 34 34 33 33 32 32 31 30 30 29 29 28 27 27 26 25 25 24 23 23 22 21 21 20 19 19 18 17 17

व्रत-त्यौहार

1 गुरु-प्रदोष व्रत।
2 शुक्र-मास शिवरात्रि व्रत।
3 शनि-श्लेषा के सूर्य दिन 11:23।
4 रवि-स्नान-दान-श्राद्ध की अमावस्या, हरियाली अमावस्या।
5 सोम-श्रावण सोमवार व्रत, चन्द्रदर्शन।
6 मंगल-हनुमान दर्शन, भौम व्रत, मंगला गौरी व्रत, दुर्गा यात्रा, स्वामी करपात्रीजी जयंती।
7 बुध-हरियाली तीज व्रत।
8 गुरु-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत।
9 शुक्र-नागपंचमी, तक्षक पूजा।
10 शनि-कल्कि अवतार।
11 रवि-गो. तुलसीदास जयंती।
12 सोम-श्रावण सोमवार व्रत।
13 मंगल-भौम व्रत, दुर्गा यात्रा, मंगलागौरी व्रत, हनुमान दर्शन।
15 गुरु-पुत्रदा एकादशी व्रत-स्मार्त, स्वतन्त्रता दिवस।
16 शुक्र-पुत्रदा एकादशी व्रत-वै.।
17 शनि-प्रदोष व्रत, मघा-सिंह संक्रान्ति दिन 10:9।
19 सोम-स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा, श्रावण सोमवार व्रत, श्रावणी उपाकर्म, रक्षाबन्धन दिन 1:25 से, संस्कृत दिवस।
21 बुध-रानगणा, विंध्यवासिनी देवी प्राकट्योत्सव।
22 गुरु-कजली तीज व्रत, बहुला गणेश चौथ व्रत, चन्द्रोदय रात 8:20।
24 शनि-हलषष्ठी-ललही छठ व्रत, श्रीबलराम प्राकट्योत्सव।
25 रवि-मु. पर्व चेहल्लुम।
26 सोम-श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रत स्मार्त।
27 मंगल-गोकुलाष्टमी, श्रीकृष्ण-जन्माष्टमी व्रत-उदयव्यापिनी मत।
29 गुरु-जया एकादशी व्रत-स्मार्त।
30 शुक्र-जया एकादशी व्रत-वैष्णव।
31 शनि-शनिप्रदोष व्रत, पू.फा. के सूर्य प्रातः 6:51।

विशेष पर्व-त्योहार सम्बन्धी विस्तार के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

मेष- दाम्पत्य जीवन सुखमय, नौकरी में पदोन्नति, व्यापार में उन्नति होगी।
वृष- संतान पक्ष से लाभ होगा, दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।
मिथुन- वस्त्राभूषण-उपहार की प्राप्ति होगी, कार्यों में व्यवधान संभव है।
कर्क- संतान पक्ष से मतभेद सम्भव है, घरेलू समस्या का समाधान होगा।
सिंह- शारीरिक रोगादि से कष्ट होगा, दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी।
कन्या- कभी-कभी पैसे की कमी महसूस होगी, परिवार में कलह संभव है।
तुला- शत्रु-विरोधी विलीन हो जायेंगे, विवाह आदि मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे।
वृश्चिक- शत्रुओं से वाद-विवाद से हानि होगी, क्षमता के अनुरूप काम नहीं होगा।
धनु- कारोबार में कोई स्थिर लाभ होगा, मांगलिक कार्य भी होंगे।
मकर- धार्मिक कार्यों में व्यय होगा, शासकीय कार्यों में बाधा आयेगी।
कुम्भ- विद्यार्थी परीक्षार्थी सफल होंगे, मानहानि, गृह कलह का भय है।
मीन- शारीरिक परेशानी होगी, शनि के कारण पूर्ण प्रगति नहीं मिलेगा।

आकाशी-लक्षण

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश में आकाश साफ रहेगा। दक्षिण-पश्चिम के प्रान्तों में जोरदार वर्षा हो सकती है। बाढ़ से लोग परेशान हो जायेंगे।

जुलाई-2024

रवि			14		28
सोम	1	8	15	22	29
मंगल	2	9	16	23	30
बुध	3	10		24	31
गुरु	4	11	18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13	20	27	

रवि पुष्य योग-चल सम्पत्ति (सोना-चाँदी, वाहन) अचल सम्पत्ति (भूमि, भवन) आदि खरीदना एवं अन्य सभी शुभ कार्यों में अत्यन्त शुभदायक होता है।
ता.4 को प्रातः 5:26 से दिन 1:50 तक।

वृक्षारोपण -

आम की गुठली को धोकर रख लें, जुलाई, अगस्त के महीने में सड़क के किनारे, पार्क या खाली जमीन में लगा दें। एक पेड़ लगाने से असंख्य जीव-जन्तुओं के जीवन का उद्धार होता है और उसका अपार पुण्य सहजता से प्राप्त होता है। वृक्षारोपण करना यज्ञ करने के समान फल देता है। प्राचीन पुस्तकों में भी विवेचन किया गया है कि आम, नीम, आँवला आदि का वृक्ष लगाने से सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। अतः अपने नजदीकी स्कूल, ग्राम पंचायत एवं धार्मिक संस्थाओं, Kiti, Club व मित्रों के साथ पेड़ लगायें।

सितम्बर-2024

रवि	1	8	15	22	29
सोम	2	9	16	23	30
मंगल	3	10		24	
बुध	4	11	18	25	
गुरु	5	12	19	26	
शुक्र	6	13	20	27	
शनि		14	21	28	

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक व्यक्ति (100 प्रति से अधिक) प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544

पूजा-पाठ, ज्योतिष, तंत्र-मंत्र, वेद-पुराण के प्रकाशक एवं विक्रेता
रूपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन
कचौड़ीगली, वाराणसी-1
फोन : 2392543, 2392471
E-Mail : rupeshpanchang@gmail.com

रूपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन

2024

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक (100 प्रति से अधिक) कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544, उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

कचौड़ीगली, वाराणसी, फोन नं. : 0542-2392543, 2392471

विक्रम संवत् 2081
भाद्रपद कृष्ण 14 से आश्विन कृष्ण 13 तक। ता. 19 से आश्विन मास प्रारम्भ।

श्रीशालिवाहन शाके 1946
राष्ट्रीय भाद्रपद 10 से आश्विन 8 तक। ता. 23 से आश्विन मास प्रारम्भ।

फसली सन् 1431-32
प्र. भादों 12 से प्र. असौज 12 तक। ता. 19 से क्वार्र प्र. असौज सन् 1432 प्रारम्भ।

इस्लामी हिजरी सन् 1446
सफर 27 से रबिउल अव्वल 26 तक। ता. 5 से रबिउल अव्वल माह शुरू।

बंगला संवत् 1431
भाद्रपद 15 से आश्विन 13 तक। ता. 18 से आश्विन मास प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1144
भाद्रपद 16 गते से आश्विन 14 गते तक। ता. 17 से आश्विन मास प्रारम्भ।

सितम्बर 9

वार					
रवि SUN	1	8	15 प्रदोष व्रत	22	29
सो MON	2	9	16	23	30 प्रदोष व्रत
मं TUE	3	10	17 व्रत पूर्णिमा	24	
बु WED	4	11	18 पूर्णिमा	25 जीउतिया व्रत	
गु THU	5	12	19	26	
शु FRI	6 हरितालिका तीज व्रत	13	20	27	
श SAT	7 गणेशोत्सव	14 एकादशी व्रत	21	28 एकादशी व्रत	

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सूर्योदय	5:44	45	46	46	47	47	48	48	49	50	51	51	52	53	54	55	56	56	57	58	59	59	6:0	6:1	2	3	3	4	5	5
सूर्यास्त	6:16	15	14	14	13	13	12	12	11	10	9	9	8	7	6	5	4	4	3	2	1	1	6:0	5:59	58	57	57	56	55	55

दूध का हिसाब

ता.	दूध	दाम	ता.	दूध	दाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			योग		
16					

धुलाई का हिसाब

दिनांक	विवरण	कपड़ा	संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	

भद्रा-विचार
ता.1 सायं 4:26 तक।
ता.6 रात 1:7 से
ता.7 दिन 2:6 तक।
ता.10 सायं 6:1 से
ता.11 प्रा.6:12 तक।
ता.13 रा.शे.5:0 से
ता.14 सा.4:27 तक।
ता.17 दिन 11:0 से रात 9:51 तक।
ता.20 दि.2:39 से रात 1:26 तक।
ता.23 रात 7:22 से
ता.24 प्रा.6:40 तक।
ता.26 रा.शे. 4:23 से
ता.27 सा.4:22 तक।
ता.30 रात 7:16 से।

तेजी-मंदी
शेयर बाजारों में अस्थिरता रहेगी। चना, मूंग, मोठ, गुड़, शक्कर, चीनी, अलसी, मूंगफली, सरसों, सोयाबीन तेलों में तेजी होगी।

मूल विचार
श्लेषा मासारम्भ से ता.2 को मघा रात 12:45 तक।
ता.10 को ज्येष्ठा सायं 4:29 से ता.12 को मूल रात 6:1 तक।
ता.19 को रेवती दिन 11:6 से ता.21 को अश्विनी प्रातः 7:50 तक।
ता.27 को श्लेषा रा.शे. 4:47 से ता.30 को मघा दिन 8:0 तक।

पंचक विचार
ता.16 को रा.शे. 4:16 से ता.20 को दिन 9:26 तक।

सूर्य नक्षत्र
ता.13 को उ.फा. रात 1:0 से।
ता.17 को कन्या राशि दिन 11:8 से।
ता.27 को हस्त सायं 4:24 से।

व्रत-त्यौहार
1. रवि- मास शिवरात्रि व्रत, अघोर चतुर्दशी।
2. सोम- स्नान-श्राद्ध की सोमवती अमा. कुशोत्पाटिनी अमावस्या।
3. मंगल- स्नान-दान की भौमवती अमा.।
4. बुध- चन्द्रदर्शन, मुस्लिम आखिर चहारशम्बा।
5. गुरु- शिक्षक दिवस, वाराह प्राकट्यो.।
6. शुक्र- हरितालिका तीज व्रत, केवा चौथ।
7. शनि- वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, गणेशोत्सव प्रारंभ।
8. रवि- ऋषि पंचमी व्रत।
9. सोम- सूर्य षष्ठी व्रत, लोलार्ककुण्ड स्नान पर्व, भदैनी-वाराणसी।
10. मंगल- मुक्ताभरण संतान सप्तमी व्रत, महालक्ष्मी व्रतारम्भ।
11. बुध- राधाष्टमी व्रत, दूर्वाष्टमी पर्व।
13. शुक्र- उ.फा. के सूर्य रात 1:0।
14. शनि- पद्मा-कर्मा एकादशी व्रत, डोल ग्यारस, हिन्दी दिवस।
15. रवि- प्रदोष व्रत, वामन द्वादशी व्रत, श्रीवामन प्राकट्योत्सव, महारविवार व्रत।
16. सोम- मु. पर्व बारावफात।
17. मंगल- अनन्त चतुर्दशी व्रत, व्रत की पूर्णिमा, विश्वकर्मा पूजा, कन्या संक्रान्ति दिन 11:8।
18. बुध- स्नान-दान की पूर्णिमा, महालया- पितृपक्ष आरम्भ।
21. शनि- संकष्टी चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात 8:12, मु. ईद मिलाद।
24. मंगल- महालक्ष्मी व्रत।
25. बुध- जीवित्पुत्रिका-जीउतिया व्रत।
26. गुरु- मातृनवमी, मातामह श्राद्ध, जीउतिया व्रत पारण।
27. शुक्र- हस्त के सूर्य सायं 4:24।
28. शनि- इन्दिरा एकादशी व्रत।
30. सोम- सोमप्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि व्रत, बैंक लेखा बंदी।

विस्तृत पर्व-त्यौहार अपनी डायरी के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल
मेष- नौकरी व्यवसाय में अनुकूलता रहेगी, मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे।
वृष- कुटुम्बीय वातावरण सुखद रहेगा, भूमि-मकानादि का लाभ होगा।
मिथुन- संतान पक्ष से सुख की प्राप्ति, स्त्री से मतभेद, शत्रु से हानि होगी।
कर्क- गृहकलह से कष्ट होगा, कार्यों में बाधा आयेगी, शारीरिक कष्ट।
सिंह- नौकरी में पदोन्नति, धन सम्पत्ति के कार्य में सफलता मिलेगी।
कन्या- दाम्पत्य जीवन में अकारण मत-भेद होगा, व्यवसाय में लाभ होगा।
तुला- व्यवसाय में वृद्धि होगी, परिश्रम से अच्छा लाभ होगा।
वृश्चिक- पति-पत्नी के लिए मास शुभ फल-दायक होगा, कारोबार में उन्नति होगी।
धनु- शत्रु हार मानकर समझौता करेंगे, विद्यार्थियों के लिए मास उत्तम है।
मकर- व्यापारी वर्ग को अधिक परिश्रम करना होगा, पैसे की कमी महसूस होगी।
कुम्भ- खर्च के कारण आर्थिक स्थिति बिगड़ेगी, स्थान परिवर्तन सम्भव है।
मीन- शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा, सिर में चोट-चपेट की सम्भावना है।

आकाशी-लक्षण
इस मास में कहीं-कहीं वर्षा सामान्य होगी। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, उत्तर प्रदेश में खण्ड वृष्टि के योग हैं। मौसम परिवर्तन हो सकता है।

अगस्त-2024

रवि		4	11	18	25
सोम		5	12		
मंगल		6	13	20	27
बुध		7	14	21	28
गुरु	1	8		22	29
शुक्र	2		16	23	30
शनि	3	10	17	24	31

अक्टूबर-2024

रवि		6	13		27
सोम		7	14	21	28
मंगल	1	8	15	22	29
बुध		9	16	23	30
गुरु		10	17	24	
शुक्र		4	11	18	25
शनि		5		19	26

स्त्री रोग के लिए घरेलू उपचार

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक व्यक्ति (100 प्रति से अधिक) प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544

पूजा-पाठ, ज्योतिष, तंत्र-मंत्र, वेद- · रूपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन · कचौड़ीगली, वाराणसी-1

रूपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन

2024

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक (100 प्रति से अधिक) कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544, उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

कचौड़ीगली, वाराणसी, फोन नं. : 0542-2392543, 2392471

दूध का हिसाब

1	17
2	18
3	19
4	20
5	21
6	22
7	23
8	24
9	25
10	26
11	27
12	28
13	29
14	30
15	31
16	योग

धुलाई का हिसाब

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	31

भद्रा-विचार

ता.1 दिन 8:10 तक। ता.6 सायं 5:36 से ता.7 प्रातः 6:16 तक। ता.10 दिन 7:30 से रात 7:11 तक। ता.13 दिन 3:25 से रात 2:31 तक। ता.16 रात 7:48 से ता.17 प्रा.6:36 तक। ता.19 रात 11:46 से ता.20 दि.10:46 तक। ता.23 प्रातः 6:39 से सायं 6:24 तक। ता.26 रात 7:11 से ता.27 प्रातः 7:42 तक। ता.30 दिन 1:5 से रात 2:8 तक।

तेजी-मंदी

सोना, चाँदी, मूंग, मोठ में तेजी, रसायनिक वस्तु, प्लास्टिक की वस्तुयें तथा रेशमी कपड़े में तेजी चलती रहेगी।

विक्रम संवत् 2081

आश्विन कृष्ण 14 से कार्तिक कृष्ण 14 तक। ता. 18 से कार्तिक मास प्रारम्भ।

श्रीशालिवाहन शाके 1946

राष्ट्रीय आश्विन 9 से कार्तिक 9 तक। ता. 23 से कार्तिक मास प्रारम्भ।

फसली सन् 1432

प्र. असौज 13 से कतक 13 तक। ता. 18 से प्र. कतक मास प्रारम्भ।

अक्टूबर 10

इस्लामी हिजरी सन् 1446

रबिउल अव्वल 27 से रबि उस्सानी 27 तक। ता. 5 से रबि उस्सानी माह शुरू।

बंगला संवत् 1431

आश्विन 14 से कार्तिक 14 तक। ता. 18 से कार्तिक प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1144

आश्विन 15 गते से कार्तिक 15 गते तक। ता.17 से कार्तिक मास प्रारंभ।

मूल विचार

ता.7 को ज्येष्ठा रात 11:15 से ता.9 को मूल रात 1:44 तक। ता.16 को रेवती रात 7:20 से ता.18 को अश्विनी सायं 4:1 तक। ता.25 को ज्येष्ठा दिन 12:22 से ता.27 को मघा दिन 3:19 तक।

रवि SUN	6	13 एकादशी व्रत-स्मार्त	20 करवा चौथ व्रत	27	
सोम MON	7	14 एकादशी व्रत-वै.	21	28 एकादशी व्रत	
मंगल TUE	1	8	15 प्रदोष व्रत	22	29 प्रदोष व्रत
बुध WED	2 गांधी जयन्ती	9	16 शरद पूर्णिमा	23	30
गुरु THU	3	10	17 तुला संक्रान्ति	24	31 दीपावली
शुक्र FRI	4 चन्द्रदर्शन	11	18	25	
शनि SAT	5	12 विजया दशमी	19	26	

पंचक विचार

ता.13 को दिन 12:21 से ता.17 को सायं 5:39 तक।

सूर्य नक्षत्र

ता.10 को चित्रा रात 3:54 से। ता.17 को तुला राशि रात 9:59 से। ता.24 को स्वाती दिन 2:35 से।

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	6:6	7	7	8	9	10	10	11	12	13	13	14	15	15	16	17	18	18	19	20	20	21	22	23	23	24	25	25	26	27	27
सूर्यास्त	5:54	53	53	52	51	50	50	49	48	47	47	46	45	45	44	43	42	42	41	40	40	39	38	37	37	36	35	35	34	33	33

व्रत-त्यौहार

2 बुध-स्नान-श्राद्ध की अमावस्या, पितृ-विसर्जन, महालया समाप्त, गाँधी-शास्त्री जयंती।
3 गुरु-शारदीय नवरात्र आरम्भ, कलश स्थापन, महाराज अग्रसेन जयंती।
4 शुक्र-चन्द्रदर्शन।
6 रवि-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत।
7 सोम-उपांग ललिता व्रत।
8 मंगल-बिल्व आमन्त्रण।
9 बुध-सरस्वती आवाहन।
10 गुरु-महानिशा पूजा, अन्नपूर्णा परिक्रमा प्रातः 7:30 से, चित्रा के सूर्य रात 3:54।
11 शुक्र-महाष्टमी व्रत, अन्नपूर्णा परिक्रमा प्रातः 6:52 तक, सरस्वती पूजा, महानवमी व्रत।
12 शनि-विजयादशमी, नवरात्र व्रत पारण, मारकण्डेय जयंती, श्रीजयन्ती।
13 रवि-पापांकुशा एकादशी व्रत-स्मार्त, भरतमिलाप-वाराणसी।
14 सोम-पापांकुशा एकादशी व्रत-वै.।
15 मंगल-भौम प्रदोष व्रत, यु. त्यौहारी शरीफ।
16 बुध-व्रत की पूर्णिमा, शरद पूर्णिमा।
17 गुरु-स्नान-दान की पूर्णिमा, तुला संक्रान्ति रात 9:59, वाल्मीकि जयंती।
20 रवि-करवा चौथ व्रत चं.उ. रात 7:39 पर, नक्कटैया-वाराणसी।
24 गुरु-अहोई अष्टमी व्रत, राधाष्टमी व्रत, स्वाती के सूर्य दिन 2:35।
28 सोम-रम्भा एकादशी व्रत, गोवत्स द्वादशी।
29 मंगल-भौम प्रदोष व्रत, धनतेरस।
30 बुध-नरक चतुर्दशी, मास शिवरात्रि व्रत, हनुमज्जन्म सायं, धन्वन्तरी प्राकट्योत्सव।
31 गुरु-दीपावली, गणेश-लक्ष्मी पूजा दिन 3:12 से, प्रातः हनुमद् दर्शन, सरदार वल्लभभाई पटेल जयन्ती।

विस्तृत पर्व-त्यौहार जानने हेतु पंचांग के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

मेष- कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है, शुभ कार्य का अवसर प्राप्त होगा।
वृष- राजनीति के क्षेत्र में मतभेद होंगे, नये पद अधिकार की प्राप्ति होगी।
मिथुन- व्यवसाय में उन्नति होगी, भूमि-वाहनादि से लाभ होगा।
कर्क- दाम्पत्य जीवन में उदासीनता रहेगी, विश्वासघात से हानि होगी।
सिंह- व्यवसाय के लिए मास अनुकूल है, पारिवारिक समस्या में जूझते रहेंगे।
कन्या- भाई-बहन से सहयोग मिलेगा, माता-पिता को स्वास्थ्य कष्ट होगा।
तुला- नौकरी वालों के आय में वृद्धि होगी, दाम्पत्य जीवन में विवाद सम्भव है।
वृश्चिक- शनि शुभ फलदायक है, कारोबार व्यवसाय में सफलता मिलेगी।
धनु- स्थिर सम्पत्ति में वृद्धि के योग हैं, विवाद में अनुकूल परिणाम होंगे।
मकर- नौकरी वालों को लाभ होगा, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान में कमी आ सकती है।
कुम्भ- व्यर्थ के लड़ाई-झगड़े होंगे, पारिवारिक सुख शांति प्रभावित होगी।
मीन- किसी अवांछनीय कार्य से खेद होगा, रोजगार में साधारण लाभ होगा।

आकाशी-लक्षण

पूर्वी प्रान्तों बंगाल, आसाम, नेपालय आदि नगरों में तूफान के साथ वर्षा होगी। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली में खण्ड वर्षा होगी।

सितम्बर-2024

रवि	1	8	15	22	29
सोम	2	9	16	23	30
मंगल	3	10		24	
बुध	4	11	18	25	
गुरु	5	12	19	26	
शुक्र	6	13	20	27	
शनि		14	21	28	

गुरु पुष्य योग-चल सम्पत्ति (सोना-चाँदी, वाहन) अचल सम्पत्ति (भूमि, भवन) आदि खरीदना एवं अन्य सभी शुभ कार्यों में अत्यन्त शुभदायक होता है। ता.24 को दिन 11:38 से रात्रि पर्यन्त।

नवरात्र महाअष्टमी निर्णय—शरन्महाष्टमी पूज्या नवमी संयुता सदा। सप्तमीसंयुता नित्यं शोकसन्तापकारिणीम्॥ अर्थ—शरद्काल में नवमी तिथि से युक्त महाअष्टमी पूज्य होती है। सप्तमी तिथि से युक्त अष्टमी तिथि नित्य शोक एवं सन्ताप (कष्ट) को देने वाली होती है। निर्णयसिन्धु में पृष्ठ 375 के अनुसार उदया अष्टमी में महाअष्टमी व्रत एवं महानवमी का व्रत, कन्या पूजन एवं हवनादि का कार्य 11 अक्टूबर, शुक्रवार को करना शास्त्र सम्मत है।

दीपावली पूजन—दीपोत्सव का पर्व दीपावली कार्तिक कृष्ण अमावस्या को प्रदोषकाल (सन्ध्या) में दीप प्रज्वलित कर श्रीगणेश-लक्ष्मी, सरस्वती, काली व कुबेर इत्यादि का पूजन करने का विशेष महत्व है। इस वर्ष 31-10-24 गुरुवार को स्थिर लग्न कुंभ, वृष, सिंह प्रदोष युक्त अमावस्या पूर्ण रूप से मिल रही है। 31-10-24 गुरुवार को अमावस्या अपराह्न 3:12 मिनट से प्रारम्भ होकर 1-11-24 शुक्रवार को सायं 5:14 तक समाप्त हो रही है। प्रदेशानुसार सूर्यास्त के समय का अन्तर होने के कारण भारत के कुछ क्षेत्रों में दीपावली 31-10-24 गुरुवार एवं कुछ क्षेत्रों में 1-11-24 शुक्रवार को मनाई जायेगी।

Cancer Fighting Food

कैंसर रोग में लाभदायक

नवम्बर-2024

रवि		3	10	17	24
सोम		4	11	18	25
मंगल		5	12	19	26
बुध		6	13	20	27
गुरु			14	21	28
शुक्र	1	8		22	29
शनि	2	9	16	23	30

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक (100 प्रति से अधिक) कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग

ठाकुर प्रसाद

रूपेश पंचाङ्ग

2024 NOVEMBER

दूध का हिसाब

ता.		ता.	
1		17	
2		18	
3		19	
4		20	
5		21	
6		22	
7		23	
8		24	
9		25	
10		26	
11		27	
12		28	
13		29	
14		30	
15		योग	
16			

धुलाई का हिसाब

दिनांक	विवरण	कपड़ा	संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	

भद्रा-विचार

ता.5 दिन 9:31 से रात 9:43 तक। ता.8 रात 7:58 से ता.9 प्रातः 7:15 तक। ता.11 रात 1:34 से ता.12 दि.12:27 तक। ता.14 रा.शे.5:22 से ता.15 सायं 4:16 तक। ता.18 दिन 10:47 से रात 10:7 तक। ता.21 रात 8:45 से ता.22 दिन 9:3 तक। ता.25 दिन 12:52 से रात 1:48 तक। ता.29 दिन 8:7 से रात 9:0 तक।

तेजी-मंदी

अनाजों में मंदी रहेगी, गुड़, शक्कर, चीनी, घी आदि रस पदार्थों में तथा काजू, बादाम, किसमिस में तेजी रहेगी। सोना-चाँदी में भी तेजी बनेगी।

विक्रम संवत् 2081

कार्तिक कृष्ण 30 से मार्गशीर्ष कृष्ण 14 तक। ता. 16 से मार्गशीर्ष मास प्रारम्भ।

श्रीशालिवाहन शाके 1946

राष्ट्रीय कार्तिक 10 से अग्रहायण 9 तक। ता. 22 से अग्रहायण मास प्रारम्भ।

फसली सन् 1432

प्र. कतक 14 से प्र. मघर 15 तक। ता. 16 से मघर मास आरम्भ।

इस्लामी हिजरी सन् 1446

रबि उस्सानी 28 से जमादि उलअव्वल 27 तक। ता. 4 से जमादि उलअव्वल माह शुरू।

बंगला संवत् 1431

कार्तिक 15 से मार्गशीर्ष 14 तक। ता. 17 से मार्गशीर्ष मास प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1144-45

कार्तिक 16 गते से मार्गशीर्ष 15 गते तक। ता. 2 से संवत् 1145 प्रारम्भ, ता. 16 से मार्गशीर्ष मास प्रारम्भ।

मूल विचार

ता.4 को ज्येष्ठा रात 7:21 से ता.6 को मूल दिन 9:24 तक। ता.12 को रेवती रात 3:28 से ता.14 को अश्विनी रात 12:9 तक। ता.21 को श्लेषा रात 7:49 से ता.23 को मघा रात 10:32 तक।

पंचक विचार

ता.9 को रात 8:20 से ता.13 को रात 1:47 तक।

सूर्य नक्षत्र

ता.6 को विशाखा रात 9:42 से। ता.16 को वृश्चिक राशि रात 7:25 से। ता.19 को अनुराधा रात 2:37 से।

विवाह मुहूर्त

ता.17,18,22,23,24,25।

रवि SUN	3	10 अक्षय नवमी	17	24	
सो MON	4	11	18	25	
मं TUE	5 भद्रा	12 एकादशी व्रत	19 गणेश चतुर्थी व्रत	26 एकादशी व्रत	
बु WED	6	13 प्रदोष व्रत	20	27	
गु THU	7 डाला छठ	14 बाल दिवस	21	28 प्रदोष व्रत	
शु FRI	1 अमावस्या	8 भद्रा	15 गुरु नानक जयंती	22 भद्रा	29 भद्रा
श SAT	2	9 भद्रा	16 वृश्चिक संक्रान्ति	23	30 अमावस्या

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सूर्योदय	6:28	29	29	30	30	31	32	32	33	34	34	35	35	36	36	37	37	38	38	39	39	40	40	41	41	42	42	42	43	43
सूर्यास्त	5:32	31	31	30	30	29	28	28	27	26	26	25	25	24	24	23	23	22	22	21	21	20	20	19	19	18	18	18	17	17

व्रत-त्यौहार

1 शुक्र- स्नान-दान-श्राद्ध की अमावस्या, दीपावली पूजन सायं 5:14 तक, महावीर निर्वाण दिवस।
2 शनि- अन्नकूट, गोवर्धन पूजा काशी से अन्यत्र।
3 रवि- गोवर्धन पूजा-काशी में, भैयादूज, चित्रगुप्त पूजा, चन्द्रदर्शन।
5 मंगल- वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, सूर्यषष्ठी (डाला छठ) व्रत 3 दिन प्रारम्भ।
6 बुध- विशाखा के सूर्य रात 9:42।
7 गुरु- सूर्यषष्ठी (डालाछठ) व्रत सायं अर्घ्य।
8 शुक्र- डाला छठ प्रातः अर्घ्य, व्रत पारण।
9 शनि- गोपाष्टमी, गौ पूजन।
10 रवि- अक्षय नवमी, अयोध्या-मथुरा परिक्रमा।
12 मंगल- हरिप्रबोधिनी एकादशी व्रत, तुलसी विवाह।
13 बुध- प्रदोष व्रत, चातुर्मास व्रत समापन।
14 गुरु- वैकुण्ठ चतुर्दशी व्रत, श्रीकाशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा दिवस, बाल दिवस, नेहरू जयंती।
15 शुक्र- देव दीपावली, स्नान-दान व्रत की पूर्णिमा, गुरुनानक जयंती।
16 शनि- वृश्चिक संक्रांति रात 7:25।
19 मंगल- सं. गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात 8:23, अनुराधा के सूर्य रात 2:37।
20 बुध- श्रीअन्नपूर्णा देवी व्रतारम्भ 16 दिनात्मक।
21 गुरु- श्रीरामेश्वर महादेव दर्शन-पूजन, लोटा भंटा मेला-रामेश्वर, वाराणसी।
23 शनि- भैरव अष्टमी व्रत, काल-भैरव प्राकट्योत्सव।
26 मंगल- उत्पन्ना एकादशी व्रत सबका।
28 गुरु- प्रदोष व्रत।
29 शुक्र- मास शिवरात्रि व्रत।
30 शनि- श्राद्ध की अमावस्या।

विस्तृत पर्व-त्यौहार जयंती सितम्बर के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

मेष- परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता, राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी।
वृष- संतान-स्त्री सुख मिलेगा, मातृ-भूमि-सम्पत्ति का लाभ सम्भव है।
मिथुन- संघर्ष पश्चात् सफलता मिलेगी, स्वास्थ्य में सुधार होगा।
कर्क- न्यायालयीय कार्य अनुकूल होगा, स्त्री-परिवार का सुख प्राप्त होगा।
सिंह- स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी, आर्थिक उन्नति हेतु प्रयास करें।
कन्या- न्यायालयीय कार्य में सफलता मिलेगी, कुटुम्ब का सहयोग रहेगा।
तुला- सभी कार्यों में सफलता मिलेगी, वाणी व व्यवहार में निखार आयेगा।
वृश्चिक- भूमि-भवन-वाहन से अच्छा लाभ होगा, दाम्पत्य जीवन में कष्ट होगा।
धनु- रोचक धन की प्राप्ति होगी, परिश्रम के बाद आय में वृद्धि होगी।
मकर- शारीरिक परेशानी, धन का व्यय, परिवार में झगड़ा झंझट हो सकता है।
कुम्भ- नौकरी में वेतन वृद्धि, पदोन्नति होगी, वाहन दुर्घटना सम्भव है।
मीन- नवीन कार्य में सफलता, साढ़ेसाती का प्रभाव, व्यवसाय में अरुचि रहेगी।

आकाशी-लक्षण

बादल चाल के साथ शीत वायु का प्रकोप बढ़ेगा। मध्य भारत में वायुवेग रहेगा। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली में वर्षा हो सकती है।

अक्टूबर-2024

रवि		6	13		27
सोम		7	14	21	28
मंगल	1	8	15	22	29
बुध		9	16	23	30
गुरु		10	17	24	
शुक्र	4	11	18	25	
शनि	5		19	26	

गुरु पुष्य योग- स्वर्ण सम्पत्ति (सोना-चाँदी, वाहन) अचल सम्पत्ति (भूमि, भवन) आदि खरीदना एवं अन्य सभी शुभ कार्यों में अत्यन्त शुभदायक होता है।
ता.21 को प्रातः 6:39 से रात 7:49 तक।

दीपावली पूजन—दीपोत्सव का पर्व दीपावली कार्तिक कृष्ण अमावस्या को प्रदोषकाल (सन्ध्या) में दीप प्रज्वलित कर श्रीगणेश-लक्ष्मी, सरस्वती, काली व कुबेर इत्यादि का पूजन करने का विशेष महत्त्व है। इस वर्ष 31-10-24 गुरुवार को स्थिर लग्न कुंभ, वृष, सिंह प्रदोष युक्त अमावस्या पूर्ण रूप से मिल रही है। 31-10-24 गुरुवार को अमावस्या अपराह्न 3:12 मिनट से प्रारम्भ होकर 1-11-24 शुक्रवार को सायं 5:14 तक समाप्त हो रही है।

प्रदेशानुसार सूर्यास्त में समय का अन्तर होने के कारण भारत के कुछ क्षेत्रों में दीपावली 31-10-24 गुरुवार एवं कुछ क्षेत्रों में 1-11-24 शुक्रवार को मनाई जायेगी।

दिसम्बर-2024

रवि	1	8	15	22	29
सोम	2	9	16	23	30
मंगल	3	10	17	24	31
बुध	4	11	18		
गुरु	5	12	19	26	
शुक्र	6	13	20	27	
शनि	7	14	21	28	

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक (100 प्रति से अधिक) कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544, उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

रूपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन

ठाकुर प्रसाद

रूपेश पंचाङ्ग

दिसम्बर 12

2024 DECEMBER

विक्रम संवत् 2081
मार्गशीर्ष कृष्ण 30 से पौष शुक्ल 1 तक। ता. 16 से पौष मास प्रारम्भ।

श्रीशालिवाहन शाके 1946
राष्ट्रीय अग्रहायण 10 से पौष 10 तक। ता. 22 से पौष मास प्रारम्भ।

फसली सन् 1432
प्र. मघर 16 से प्र. पुस 16 तक। ता. 16 से प्र. पुस आरम्भ।

इस्लामी हिजरी सन् 1446
जमादि उलअव्वल 28 से जमादि उस्सानी 29 तक। ता. 3 से जमादि उस्सानी माह शुरू।

बंगला संवत् 1431
मार्गशीर्ष 15 से पौष 15 तक। ता. 17 से पौष मास प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1145
मार्गशीर्ष 16 गते से पौष 16 गते तक। ता. 16 से पौष मास प्रारम्भ।

दूध का हिसाब

ता.		ता.	
1		17	
2		18	
3		19	
4		20	
5		21	
6		22	
7		23	
8		24	
9		25	
10		26	
11		27	
12		28	
13		29	
14		30	
15		31	
16		योग	

धुलाई का हिसाब

दिनांक	विवरण	कपड़ा	संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	31

भद्रा-विचार

ता.4 रात 12:11 से ता.5 दि.11:53 तक।
ता.8 प्रातः 7:37 से सायं 6:36 तक।
ता.11 दिन 11:50 से रात 10:39 तक।
ता.14 सायं 4:14 से रात 3:24 तक।
ता.17 रात 12:11 से ता.18 दि.11:59 तक।
ता.21 दिन 1:49 से रात 2:35 तक।
ता.25 दिन 8:29 से रात 9:34 तक।
ता.28 रात 2:43 से ता.29 दिन 3:11 तक।

तेजी-मंदी

सभी प्रकार के अनाजों में घटाबढ़ी चलेगी। सोने-चाँदी में उछाल तथा शेयर बाजारों में तेजी रहेगी। ऊनी वस्त्रों में तेजी रहेगी।

रवि SUN	1 अमावस्या	8	15 स्नान-दान पूर्णिमा	22	29
सो MON	2 चन्द्रदर्शन	9	16 धनु संक्रान्ति	23	30 अमावस्या
मं TUE	3	10	17	24	31
बु WED	4	11 एकादशी व्रत	18 गणेश चतुर्थी व्रत	25 बड़ा दिन	
गु THU	5	12	19	26 एकादशी व्रत	
शु FRI	6	13 प्रदोष व्रत	20	27	
श SAT	7	14 व्रत की पूर्णिमा	21	28 प्रदोष व्रत	

मूल विचार

ता.1 को ज्येष्ठा दिन 2:39 से ता.3 को मूल सायं 4:55 तक।
ता.10 को रेवती दिन 11:30 से ता.12 को अश्विनी दिन 8:10 तक।
ता.18 को श्लेषा रात 3:15 से ता.20 को मघा रा.शे. 5:45 तक।
ता.28 को ज्येष्ठा रात 9:55 से ता.30 को मूल रात 12:27 तक।

पंचक विचार

ता.6 को रा.शे. 4:13 से ता.11 को दिन 9:50 तक।

सूर्य नक्षत्र

ता.2 को ज्येष्ठा रा.शे. 5:49 से।
ता.16 को मूल व धनु राशि प्रातः 7:38 से।
ता.29 को पू.षा. दिन 8:36 से।

विवाह मुहूर्त

ता.2,3,4,5,9,10,11,13,14,15।
आगे खरमास दोष है।

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
सूर्योदय	6:44	44	44	45	45	45	45	46	46	46	46	46	47	47	47	47
सूर्यास्त	5:16	16	16	15	15	15	15	14	14	14	14	14	13	13	13	13

तारीख	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47
सूर्यास्त	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13

व्रत-त्यौहार

1.रवि-स्नान-दान की अमावस्या, रुद्र व्रत-पीड़िया-प्रदोष काल।
2.सोम-चन्द्रदर्शन, ज्येष्ठा के सूर्य रा.शे. 5:49।
5.गुरु-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत।
6.शुक्र-द्वि.नागपंचमी, श्रीराम विवाहोत्सव।
7.शनि-स्कन्द षष्ठी व्रत, चम्पा षष्ठी।
8.रवि-मित्र (सूर्य) सप्तमी व्रत।
9.सोम-महानन्दा नवमी, कल्पादि नवमी।
11.बुध-मोक्षदा एकादशी व्रत, मौनी एकादशी-जैन, गीता जयंती।
13.शुक्र-प्रदोष व्रत।
14.शनि-व्रत की पूर्णिमा, कपर्दीश्वर महादेव दर्शन, श्री दत्तात्रेय प्राकट्यो.।
15.रवि-स्नान-दान की पूर्णिमा, अन्तर्गृही यात्रा-काशी।
16.सोम-मूल-धनु संक्रांति प्रातः 7:38, खरमास प्रारंभ।
18.बुध-संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चं.उ.रात 8:10।
25.बुध-बड़ा दिन, पं.मदनमोहन मालवीय जयंती-अ.मत।
26.गुरु-सफला एकादशी व्रत सबका।
28.शनि-शनि प्रदोष व्रत।
29.रवि-मास शिवरात्रि व्रत, पू.षा. के सूर्य दिन 8:36।
30.सोम-स्नान-दान-श्राद्ध की सोमवती अमावस्या।
31.मंगल-नववर्ष की पूर्व संध्या।

विस्तृत पर्व-त्यौहार जयन्ती विवरण के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

मेष- स्वास्थ्य प्रायः ठीक रहेगा, भौतिक सुख-सुविधाओं की सामग्री जुटेगी।
वृष- अधूरे कार्य पूर्ण होंगे, व्यवसाय में अच्छा लाभ होगा।
मिथुन- भूमि-मकान-वाहन का लाभ होगा, कार्य क्षमता में वृद्धि होगी।
कर्क- विद्यार्थियों हेतु मास उत्तम है, प्रयास से सुख में वृद्धि होगी।
सिंह- विवाहादि मांगलिक कार्य होंगे, दान-पुण्य में रुचि बढ़ेगी।
कन्या- भवन-भूमि वाहन के क्रय का योग है, नौकरी में पदोन्नति सम्भव है।
तुला- भौतिक सुख-सुविधा के साधनों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य सम्बन्धी कष्ट।
वृश्चिक- माता-पिता से सहयोग मिलेगा, प्रेम सम्बन्ध में मतभेद सम्भव है।
धनु- धार्मिक कार्यों में व्यय होगा, नौकरी वालों को लाभ होगा।
मकर- शनि की साढ़ेसाती चल रही है, शनि के शांति का उपाय करें।
कुम्भ- मास के उत्तरार्द्ध में सफलता मिलेगी, व्यवसाय में लाभ संभव है।
मीन- साढ़ेसाती का उग्र प्रभाव रहेगा, भाग्योदय में व्यवधान उत्पन्न होगा।

आकाशी-लक्षण

आसमान में धुन्ध हो सकती है। राजस्थान, गुजरात, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा आदि प्रदेशों में लगातार बादल दिखाई देंगे।

नवम्बर-2024

रवि		3	10	17	24
सोम		4	11	18	25
मंगल		5	12	19	26
बुध		6	13	20	27
गुरु			14	21	28
शुक्र	1	8		22	29
शनि	2	9	16	23	30

विज्ञापन 2024

← विज्ञापन हेतु स्थान-10½" × 2"

पंचांग पर नाम पता छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें पंचांग साइज 11"×17" चार रंग में छपा हुआ। मो. नं. 07233013544 0542-2392543, 2392471

जनवरी-2025

रवि		5	12	19	
सोम		6	13	20	27
मंगल		7		21	28
बुध	1	8	15	22	29
गुरु	2	9	16	23	30
शुक्र	3	10	17	24	31
शनि	4	11	18	25	

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक (100 प्रति से अधिक) कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544, उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।